



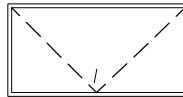
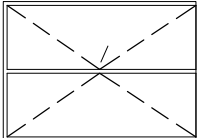
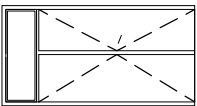
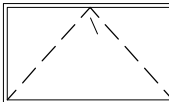
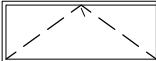



Rodzaj wyrobu		Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno
---------------	--	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------

Rodzaj wyrobu	Okno	Okno	Okno	Okno	Okno
Oznaczenie	O8/0	O9/0	O10/0	O11/0	O11/0
Schemat					
	Światło otworu	60	60	60	60
	Piwnica	-	-	-	-
	Parter	-	-	-	-
	I Piętro	-	-	-	-
	II Piętro	-	-	-	-
	III Piętro	3	-	-	-
	IV Piętro	-	4	-	-
	V Piętro	-	-	4	4
	RAZEM:	3	4	4	4
	Wym. [cm]	S <sub>o</sub>			
	H <sub>o</sub>				
Ilość szt. na kond.	UWAGI:				

Rodzaj wyrobu		Drzwi		Drzwi		Drzwi		Drzwi		Drzwi	
Oznaczenie		D1/0		D2/0		D3/0		D4/0		DW/0	
Schemat											
		Wym. [cm]	Światło otworu	S <sub>o</sub>	120	181	130	130	80		
				H <sub>o</sub>	230	250	250	220	200		
			Piwnica	1	-	-	-	-	-		
			Parter	-	1	1	1	-	-		
			I Piętro	-	-	-	-	-	-		
			II Piętro	-	-	-	-	-	-		
			III Piętro	-	-	-	-	-	-		
			IV Piętro	-	-	-	-	-	-		
			V Piętro	-	-	-	-	-	1		
RAZEM:	1	1	1	1	1	1					
UWAGI											

<div>Pracownia Audytorska inż. Jacek Stępień ul. Białucha 22-27-400 Opatowiec, 50-101/Brz. (081) 262 49 04</div>	<div><div>Numer rysunku: <b>14</b></div></div>	<div>Branża: Architektura</div> <div>Skala: 1:100</div>
<div>Funkcja:</div>	<div>Nr upr.</div>	<div>Investor:</div> <div>Adres:</div>
<div>Projektował:</div>	<div>Inię i nazwisko: mgr inż. arch. Zbigniew Doktor</div>	<div>Gmina Szydłowiec ul. Rynek Wielki 1 26 - 500 SZYDŁOWIEC</div> <div>Ratusz ul. Rynek Wielki 1 26 - 500 SZYDŁOWIEC</div>
<div>Opracował:</div>	<div>mgr inż. Sylvia Piwowska</div>	<div>Data opracowania projektu : maj 2010</div>
		<div>Rodzaj projektu: INWNETARYZACJA</div>
		<div>Temat:</div> <div>ZESTAWIENIE STOLARKI</div>
		<div>Stadium:</div> <div>INW</div>

wymiary stolarki podano w świetle murów